बौद्ध धर्म

संस्थापक → महात्मा बुद्ध

महात्मा बुद्ध का जन्म → 563 ई॰पू॰ वैशाख पूर्णिमा के दिन नेपाल के तराई में कपिलवस्तु के निकट लुंबनी वन में हुआ

→ पिता → शाक्य गण के मुखिया शुद्धोधन , माता - महामाया (कोलियवंशीय)

पालन पोषण - मौसी - प्रजापति गौतमी , बचपन का नाम - सिद्धार्थ

विवाह - 16 वर्ष की आयु में शाक्य कुल की कन्या यशोधरा से

पुत्र राहुल अन्यनाम - बिम्बा, गोपा, भद्रकच्छना

→ गृह त्याग - 29 वर्ष की अवस्था में (महाभिनिष्क्रमण)

→ गौतम बुद्ध ने सांख्य दर्शन की शिक्षा ली - अलारकलाम से

→ ज्ञान प्राप्ति - 35 वर्ष की अवस्था में वैशाख पूर्णिमा के दिन बोधगया के पास पिपल वृक्ष के नीचे सम्बोधि

→ महात्मा बुद्ध के प्रथम शिष्य - दो बनजारे तपुस्स तथा मल्लिक

→ प्रथम उपदेश दिया - सारनाथ में 5 ब्राह्मणों को (धर्मचक्र प्रवर्तन)

→ महात्मा बुद्ध को वेलुवन दान में दिया - बिन्दुसार ने

→ संघ में शामिल होने वाली प्रथम महिला - महाप्रजापति गौतमी

→ आम्रपाली कहाँ की नगरवधु थी - वैशाली की

→ बुद्ध के सबसे प्रिय शिष्य - आनन्द

→ सबसे ज्यादा उपदेश दिये - श्रावस्ती में

→ मृत्यु - 483 ई॰पू॰ 80 वर्ष की अवस्था में कुशीनारा में (महापरिनिर्वाण)

→ महात्मा बुद्ध के मृत्यु के बाद उनके शरीर धातु को बांटा गया → 8 दावेदारों में

चार आर्य सत्य - ① दुःख ② दुःख समुदाय ③ दुःख निरोध ④ दुःख निरोध गामिनी प्रतिपदा

→ अष्टांगिक मार्ग → सम्यक् - ① दृष्टि ② संकल्प ③ वाणी ④ कर्मान्त ⑤ आजीव ⑥ व्यायाम ⑦ स्मृति ⑧ समाधि

→ जरामरण के कारण - ① जाति ② भव ③ उपादान ④ तृष्णा ⑤ वेदना ⑥ स्पर्श ⑦ षडायतन ⑧ नामरूप ⑨ विज्ञान ⑩ संस्कार ⑪ अविद्या

→ 10 शील - ① अहिंसा ② सत्य ③ अस्तेय ④ व्यभिचार से बचना ⑤ शराब के सेवन से बचना ⑥ समय से भोजन ग्रहण करना ⑦ कोमल शैय्या पर सोने से बचना ⑧ धन संचय से बचना ⑨ स्त्रियों से दूर रहना ⑩ नृत्यगान ।

जन्म → कमल एवं सांड
गृह त्याग → घोड़ा → महाभिनिष्क्रमण
ज्ञान → पीपल → सम्बोधि
उपदेश → धर्मचक्रप्रवर्तन
निर्वाण → पद चिन्ह महापरिनिर्वाण
मृत्यु → स्तूप

* प्रथम बौद्ध संगीति
स्थान - राजगृह
समय - 483 ई॰पू॰
शासक - अजातशत्रु
अध्यक्ष - महाकस्सप

* द्वितीय बौद्ध संगीति
स्थान → वैशाली
समय → 383 ई॰ पू॰
शासक → कालाशोक
अध्यक्ष → सर्वकामिनी

* तृतीय बौद्ध संगीति
स्थान → पाटलीपुत्र
समय → 250 ई॰पू॰
शासक → अशोक
अध्यक्ष → मोग्गलिपुत्ततिस्स

* चतुर्थ बौद्ध संगीति
स्थान - कुण्डलवन (काश्मीर)
समय - 100 ई॰
शासक - कनिष्क
अध्यक्ष - वसुमित्र.

किस बौद्ध संगीति में बौद्ध धर्म में विभाजन हो गया - चतुर्थ संगीति
बौद्ध धर्म कितने सम्प्रदाय में बंट गया - मुख्य रूप से हीनयान औ
महायान में एवं बाद में वज्रयान

त्रिपिटक
① सुत्तपिटक - बुद्ध के प्रवचन सूत्र (लेखक आनन्द)
② विनयपिटक → भिक्षुओ के लिए नियम
③ अभिधम्मपिटक - बौद्ध मत

सुत्तपिटक के भाग - दीघ निकाय, मज्झिम निकाय, संयुक्त निकाय
अंगुत्तर निकाय, खुद्दक निकाय → बुद्धं शरण
गच्छामि इसी पाठ में